IJETIR

ISSN (Online) 2583-0554

International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)

Volume 2, Issue 9, September 2022

Impact Factor: 5.731

सोशल मीडिया का भारतीय अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव

Dhruvil Shah and Vaquar Shaikh

Shri Ramdeobaba College of Engineering and Management, Nagpur, Maharashtra, India

प्रस्तावना : मानव सभ्यता के उदभव काल से ही जाने अनजाने में अविष्कार कर रहे हे और उनका प्रयोग करता चला आ रहा हे पत्थरो को रगड़कर आग जलना , हिंसक जानवरों का शिकार करने के लिए हड्डियों और पत्थरों के नुकीले औजार बनाना , तन को ढकने के लिए वृक्षों के पत्तों और जानवरो की खाल ढ़कना जरूरतों के हिसाब से अविष्कार करता गया , आगे चलकर यह विज्ञान हो गया , ये तकनिकी प्रोद्योगिक कहलाई आज के युग में कोई भी देश प्रोद्योगिकी व नई तकनीक के बलबूते पर ही कृषि , सामाजिक , आर्थिक व शिक्षा के क्षेत्र में विकास कर सकता हे वर्तमान में भारत हर क्षेत्र में प्रौघोगिकी व तकनीकी के नए मोड़ को अपनाते हुए तेजी से आगे बढ़ रहा हे आज भारत ने स्वास्थ से लेकर शिक्षा तक , रक्षा से लेकर कृषि तक के क्षेत्र में अद्भूत तरक्की की हे प्रौघोगिकी विकास से अधिक रोजगार तो सृजन हो ही रहे हे साथ ही उत्पादन व निर्यात के क्षेत्र में बढ़ोतरी हुई है लोगो का जीवन आसान बनाने में भी मदद मिली है देश में मानवीय जरूरतों के अनुरूप तकनीकी विकास हो रहा है देखा जाए तो आज परम्परागत चलन का युग खत्म हो गया है अब लींक से हटकर सोचने का युग है सोशल मीडिया संचार और प्रचार का सबसे बड़ा साधन के रूप में उभरकर आया है दिनों दिन इसकी लोकप्रियता में वृद्धि हो रही है जिससे व्यवसायी संगठन से जुड़े है डिजिटल संस्कृति के विकास से इकनॉमी और व्यवसाय के क्षेत्रो ने तेजी आई है इससे वेश्विक कंपनियां निवेश के लिए प्रेरित हो रही है यहाँ तक की लम्बीदुरी के व्यापार व्यवसायों के अवसरों में वृद्धि हुई है साथ ही मुनाफे को बढ़ाने और व्यापार के क्षेत्रो को प्राप्त करने में मदद मिली है ।

साहित्य पुनरावलोकनः

हार्ट शोर्न (2010) के अनुसार , सोशल मीडिया नेटवर्किंग का एक नया संस्करण है जिसे लोग 21 वी सदी में इंटरनेट की मदद से एक माध्यम के रूप में उपयोग करते है ग्राहकों के साथ संवाद करने के लिए यह एक अत्यधिक प्रभावी उपकरण बन गया है।

कापलान और हेनलेन (2010) के अनुशार सोशल मीडिया को '' वेब 2.0 की वैचारिक और तकनीकी नीव पर निर्मित इंटरनेट आधारित अनुप्रोयोगो के एक समूह '' के रूप में परिभाषित किया गया है इसने उपयोगकर्ताओं द्वारा उत्पन्न सामग्री के उत्पादन और विनिमय की अनुमति दी जो सहयोगी रूप से सामग्री बनाने और साझा कर में इसका उपयोग करते है।

शोध पत्र के उद्देश्य: शोध पत्र के निम्न लिखित उद्देश्य हे ।

(1) मनुष्य जीवन की निर्भरता दिनों दिन किस प्रकार इंटरनेट आधारित तकनीक यंत्र सोशल मीडिया पर बढ़ती का रही है को ज्ञात करना ।

(2) सोशल नेटवर्किंग का घरेलु सूक्ष्म और व्रहंद उधोगो पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को जानना ।

Copyright to IJETIR

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 2, Issue 9, September 2022
Impact Factor: 5.731

शोध का क्षेत्रः

प्रस्तुस्त शोध पत्र के उद्देश्य की प्राप्ति हेतु सोशल मीडिया के व्यवसायिक क्षेत्र और साधन लिए गए है जिसकी मदद से अर्थ व्यवस्था के नकारात्मक पहलु का अध्ययन किया जा सकता है ।

शोध पत्र की विधिः– प्रस्तुत शोध पत्र द्वितीय संमको और अवलोकन पर आधारित है जिसमे साहित्य पुनरावलोकन, मानवीय अवलोकन शोध पत्र पत्रिकाए गूगल सर्च अदि से एकत्रित द्वितीय संमको के माध्यम से शोध संबंधित जानकारी प्राप्त की गई है।

सोशल मीडिया का भारतीय अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभावः–

वर्तमान में हम 21 वी सदी में अर्थव्यवस्था के ऐसे विकास पथ पर अग्रसर है जहा पर एक क्लिक करने पर सम्पूर्ण व्यापार व्यवसाय की जानकारी प्राप्त हो जाती है आज एक क्लिक पर ही हम अपनी भौतिक और आर्थिक जरूरतों को घर बैठे पूर्ण कर सकते है चाहे वह जॉब हो या ब्यापार व्यवसाय या फिर हमारी रोजमर्रा की जरुरत यह सब सोशल मीडिया के माध्यम से संभव हुआ है की आज सोशल मीडिया मानव जीवन का अभिन्न अंग बन गया है इसके बिना मानव अधूरा सा अपंग सा हो गया है साथ ही हमारी अर्थव्यवस्था भी अपंग से हो गई है जो की सोशल मीडिया रूपी बैसाखी पर खड़े होकर विदेशी व्यापार पर निर्भित होती जा रही है जिसके कुछ नकारात्मक पहलुओं पर दृस्टिपात करे तो पाएंगे की आज भारतीय अर्थव्यवस्था विदेशी हाथो की कटपुतली बन कर रह गया है । जो एक मानव शरीर की भाती बाहरी तौर पर स्वस्थ (विकसित) तो है पर आन्तरिक तौर पर बीमारी (अविकसित) से घिरी हुई है जिसके कुछ नकारात्मक पहलु को जानना आवश्यक है जिसे हमारे शोध के उद्देश्यों के माध्यम से जाना जा सकता है ।

(1) मनुष्य जीवन की निर्भरता दिनों दिन इंटरनेट आधारित तकनीकी तंत्र सोशल मीडिया पर बढ़ती जा रही है जो एक कबूतर से प्रारंभ होकर यूट्यूब, जीमेल आदि की उन्नत और आधुनिक तकनीक तक पहुँच गई है । इसने समस्त विश्व को अपनी मुट्ठी में कैद कर लिया है व्यापारी और ग्राहक ऑनलाइन नेटवर्किंग का उपयोग करके खरीदी बिक्री संबंधी क्रियाए सम्पन करते है आज घर बैठे व्यक्ति बाजार का ज्ञान और व्यापारी अपने व्यवसाय उधोग को मार्केटिंग और वस्तु की बिक्री करता है।

(2) सोशल नेटवर्किंग का घरेलु सूक्ष्म एवं वृहद उधोगो पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को भी देखा गया है जिसमे कुछ मुख्य तत्वों की और चिंतन करने पर पाया गया की वर्त्मान व्यापर व्यवसाय का जो संचालन हो रहा है वे इंटरनेट आधारित है जिसमे तकनीकी इंस्टूमेंट जैसे मोबाइल , लेपटॉप , टेबलेट आदि का प्रयोग इंटरनेट ऐप के द्वारा किया जाता है यह तकनिकी और एप्प बहरी देशो के होते है जिससे की उनकी तकनीकी व्यवसाय को बढ़ावा मिलता है यहाँ तक की जो ऐप है वो भी बाहरी होते है जिन्हे हमें खरीदना होता है और इनके द्वारा जो भी व्यापार व्यवसाय होता है वो कमीशन पर होता मतलब आय का अधिकांश हिस्सा तकनीक को खरीदने ऐप को खरीदने और विदेशी मॉल बेचने पर सिर्फ कमीशन की प्राप्ति जिसमे सिर्फ फायदा बाहरी कंपनियों का होता है हमारे देश के उधोगो का तो पतन हो रहा है ।

IJETIR

ISSN (Online) 2583-0554

International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)

Volume 2, Issue 9, September 2022

Impact Factor: 5.731

तालिका क्रमांक (1): निम्न ऐप जो विदेशो द्वारा बनाए गये है

ऐप का नाम	एक्टिव यूजर्स	एक्टिव यूजर्स	विशेष	देश द्वारा बनाया गया
फेसबुक	2.5 बी	मंथली	सेकेंड लार्ज सर्च इंजन	अमेरिका द्वारा
यूट्यूब	2.29 बी		44 % लोग शॉपिंग करते है	अमेरिका द्वारा
इंस्टाग्राम	1.22 बी			अमेरिका द्वारा
टिक टाक	1 बीलियन	मंथली		चाइना
वॉट्स्ऐप	2.0 बी 487.5 मी (भारत में)			यूनाइटेड स्टेट अमेरिका (केलिफोर्निया)
वि चेट	1.22 बी			नार्थ अमेरिका का सबसे बड़ा ऐप
ट्विटर	436 मी 24.45 मी (भारत में)			यूनाइटेड स्टेट अमेरिका केलिफोर्निया
स्नेप चेट	557 मी 144.35 मी (भारत में)			अमेरिका
Link in	736 बी			केलिफोर्निया अमेरिका
Pintrest	442 मी			(केलिफोर्निया) अमेरिका यूनाइटेड स्टेट

Copyright to IJETIR
www.iciset.in

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 2, Issue 9, September 2022
Impact Factor: 5.731

तालिका क्रमांक (2): मोबाइल , कंप्यूटर , लेपटॉप कंपनी बनाने वाले देश

गैजेट	बनाने वाला देश
ऐप्पल	अमेरिका
डेल	अमेरिका
वनप्लस	चाइना
लिनोवो	चाइना
सेमसंग	साउथ कोरिया
IBM	यूनाइटेड स्टेट
सोनी	जापान
इंटेल	तोशिबा जापान
नोकिआ	फिनलैंड
HP	यूनाइटेड स्टेट
पेनासोनिक	जापान
रियाल मी	चायना
ओप्पो	चायना
वीवो	चायना

सत्रोत :– गूगल सर्च

उपरोक्त इलेक्ट्रिक गेजेट और ऐप कंपनियों के अलावा ऐसी उपभोग वस्तुए जैसे खाद्य्य सामग्री एवं कपडा जैसे डोमिनोज, पिजा हट्ट, मैकडॉनल्ड्स, पेंटालून्स, पीटर इंग्लैंड , आदि कम्पनिया है ।

भारत में सिर्फ लावा , इंटेक्स , माइक्रोमैक्स है इनकी बाजार में कोई मांग नहीं है जिसके कारन ये मोबाइल एंडॉयड नहीं है

निष्कर्ष:

उपरोक्त तालिकाओं के विश्लेषण से स्पष्ट है कि जितने भी कंपनियों के इलेक्ट्रिक गेजेट है बाहरी देशो द्वारा बनाए जाते है और उनका निर्यात और उपयोग भारत में ही होता है जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था देश के विपरीत अवस्था में हो जाती है इनके कई परिणाम सामने आये है जो निम्न है ।

(1) विदेशी व्यापार को बढ़ावा मिला है ब्रांडेड वस्तुओ के चलन से स्वेदशी उधोग का पतन हुआ है एवं लघु और कुटीर उधोगो को कई समस्यांओ का सामना करना पड़ रहा है जिससे वे शिशु अवस्था में ही खत्म हो गये है ।

(2) ऑनलाइन मार्केटिंग से डोर दू डोर मार्केटिंग बंद हो गई है जिससे बेरोजगारी बड़ी है ।

(3) व्यापारिक कमीशन अधिक होने पर वस्तुए ऊंची कीमत पर बेचीं जा रही है ।

(4) देश की आयात निर्यात निति अर्थव्यवस्था के विपरीत हो गई है ।

(5) प्रदर्शनकारी प्रभावों में वृद्धि हुई है ।

(6) बजारो की रौनक खत्म हो गई है ।

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 2, Issue 9, September 2022
Impact Factor: 5.731

यकीनन यह ने केवल देश की प्रगति में रुकावट है बल्कि भविष्य में इसके खतरनाक परिणाम भी सामने आ सकते है अतः आवश्यक है की देश की सरकार को इस विषय को गंभीरता से विचार करते हुये देश की अर्थव्यवस्था के अनुरूप निति निर्माण करना होगा यदि समय रहते हमारी सरकार ने सोशल मीडिया के फायदे से साथ साथ इससे होने वाले नुकसान पर ध्यान नहीं दिया तो एक समय ऐसा भी आ सकता है की हमारा देश पूर्ण रूप से विदेशी व्यापारिक नीति पर पूर्णतः निर्भर हो जायेगा

सुझावः

1. कोरोना वायरस की महामारी से निजात पाने के बाद सभी देश अपनी देश की अर्थव्यवस्था को सुधरने के उपाय खोज रहा है। ऐसे में भारत को भी ऐसे अवसर में की वह विज्ञानं और तकनीक को आधार बनाकर एक सम्पन्न राष्ट के रूप में स्वयं को स्थापित कर ग्लोबल सप्लाई चेन अवरोधों से स्वयं को बचाने के साथ ही हम बड़े पैमाने के आयात निर्यात प्रावधानों पर ध्यान दे जिससे सूक्ष्म एवं घरेलु लघु उद्योग की रीढ़ सुदृढ़ होगी । इसके लिए ऋण व्यवस्था और नई तकनीकी का निर्माण की व्यवस्था स्वयं भारत को करनी होगी ।
2. सरकार को चाहिए की वह अर्थव्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु एक आर्थिक विधाये और विनिमय संबंधी बुनयादी ढांचे का निर्माण करे ।
3. विदेशी वास्तु की मांग कम की जाये ।
4. ऑनलाइन तकनिकी ऐप का सृजन और उपयोग अपने देश में ही किया जाए ।
5. अब हमें मेक इन इंडिया , इनोवेट इन इंडिया और बाय इन इंडिया जैसे अभियानों की गति तेज करनी वाली नीतियां बनानी होगी ।

संदर्भ सूचीः

[1]. C.M., Agarwal, R., Sambamurthy, V. & Kelley, K. (2010). Social contagion and information technology diffusion: the adoption of electronic medical records in U.S. hospitals. Management Science, 56(8): 1219-1241 Google Scholar

[2]. Abhimanyu Shankhdhar. JIMS / Social media and businss /

[3]. A.T.M Shahjahan. K.Chisty, "Social Media research and its effect on our society" International journal of Information 7 communication Engineering , Vol:8, No:6,2014

[4]. Mahmoudi Sidi Ahmed et al., "Detection of Abnormal Motions in Multimedia', Chania ICMI-MIAUCE'08 workshop, Crete, Greece, 2008.

[5]. Bajpai V, Pandey S, Shriwas S (2012). Social media marketing: Strategies & its impact. International Journal of Social Science and Interdisciplinary Research 1(7):214-223.